श्री मनोज सहाय

अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
वित्त मंत्रालय एवं निदेशक,
एसपीएमसीआईएल

श्री मनोज सहाय वर्ष 1994 में भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा में सम्मिलित हुए। उन्होंने रुड़की विश्वविद्यालय से बीई (सिविल) किया है। वे प्रधान महालेखाकार, रांची, झारखंड के कार्यालय में जून 1998 से जून 2001 तक उप महालेखाकार के पद पर सेवारत रहे। इसके बाद, उन्होंने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली कार्यालय में निदेशक/उप निदेशक के तौर पर जुलाई 2001 से मई 2004 तक प्रशासन संभाला। उन्हें भारतीय उच्चायोग लंदन में यूरोप और सी.आई.एस देशों में मिशनों और सरकारी कार्यालयों की लेखापरीक्षा को संभालने के लिए मई, 2004 से जुलाई, 2006 तक प्रथम सचिव के रूप में तैनात किया गया था।

उन्होंने अगस्त 2006 से अगस्त 2007 तक प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), असम, गुवाहाटी के कार्यालय में राज्य सरकार की लेखापरीक्षा करने वाले वरिष्ठ उपमहालेखाकार के तौर पर भी कार्य किया तथा व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली में सितंबर 2007 से अप्रैल, 2011 तक पदों का उन्नयन, पेंशन, प्रशासन से संबंधित दायित्वों का निर्वहन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने महालेखाकार (ए एंड ई), झारखंड, रांची के कार्यालय में अप्रैल, 2011 से जुलाई, 2015 तक महालेखाकार (संयुक्त सचिव समकक्ष) के रूप में भी कार्य किया।

श्री सहाय भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय में जुलाई 2015 से दिसंबर, 2018 तक प्रधान निदेशक (संयुक्त सचिव समकक्ष) और जनवरी, 2019 से जनवरी, 2020 तक महानिदेशक (सहायक सचिव समकक्ष) के पद पर भी पदस्थ थे, जहाँ उन्होंने केंद्र सरकार के खातों तथा केंद्रीय स्वायत निकायों के प्रमाणन संबंधी दायित्वों का निष्पादन किया। श्री सहाय ने राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम (एन.एच. आई.डी.सी. एल.), सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में जनवरी, 2020 से फरवरी, 2022 तक निदेशक (प्रशासन और वित्त) के पद पर भी अपनी सेवाएं दी।

वर्तमान में वे वित्त मंत्रालय में अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं, जिसमें वे राजस्व विभाग, व्यय विभाग, कार्य विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डी.आई.पी.ए.एम.) तथा सार्वजनिक उद्‌यम विभाग (डी.पी.ई.) जैसे 6 विभागों को संभालने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्हें वित्त मंत्रालय द्‌वारा सरकार नामिती के रूप में नियुक्त किया गया है और वे दिनांक 28 मार्च, 2022 से एसपीएमसीआईएल के बोर्ड में अंशकालिक सरकार नामित निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं।